Rashtriya Sahara

Delhi - Mar 21, 2017

Page No:	1	Type:	Newspaper
Page Name:	Front Page	Language:	Hindi
Size:	366 sq. cm	Circulation:	108,803
AVE:	INR 254,603	Frequency:	Daily

News monitored for: COAI

Title: Vodafone-Idea to seal merger

मार्केट

15 वोडाफोन-आइडिया के विलय पर मुहर

© Rashtriya Sahara

Rashtriya Sahara

Delhi - Mar 21, 2017

Page No:	15	Type:	Newspaper
Page Name:	Market	Language:	Hindi
Size:	366 sq. cm	Circulation:	108,803
AVE:	INR 254,603	Frequency:	Daily

News monitored for: COAI

Title: Vodafone-Idea to seal merger

वोडाफोन-आइडिया के विलय पर मुहर

▶ दो साल में पूरी हो जाएगी मर्ज की प्रक्रिया ▶ दूरसंचार क्षेत्र में बनेगी सबसे बड़ी कंपनी

■ नई दिल्ली।

दूरसंचार क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करने के लिए ब्रिटेन की कंपनी वोडाफोन और देश के आदित्य बिड़ला समूह की आइडिया सेल्यूलर ने सोमवार को अपने कारोबार के विलय की घोषणा की। उनके विलय से दूरसंचार क्षेत्र में ग्राहक संख्या और राजस्व के लिहाज से सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी अस्तित्व में आएगी।

वोडाफोन-आइडिया के विलय की प्रक्रिया दो साल में पूरी होगी। विलय के बाद गठित नई कंपनी के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला होंगे। रिलायंस जियो के दूरसंचार क्षेत्र में उतरने के बाद इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा काफी बढ़ गई है और बाजार की नई परिस्थितियों से निपटने के लिए आइडिया और वोडाफोन ने यह कदम उठाया है। एकीकृत कंपनी का मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) वोडाफोन तय करेगी।

वोडाफोन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विटोरियो कोलाओ ने यहां पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। वहां कुमार मंगलम बिड़ला भी उपस्थित थे। वोडाफोन प्रमुख विटोरियो कोलाओ ने कहा कि सरकार की साथ चल रहे वोडाफोन के कर विवाद से इस विलय प्रक्रिया पर कोई असर नहीं होगा। नई कंपनी में दोनों कंपनियों के तीन-तीन प्रतिनिधि होंगे। ■ भाषा

बिग डील : मुंबई में सोमवार को विलय की घोषणा के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन के अवसर पर आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला से गुफ्तगू करते वोडाफोन समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विटोरियो कालाओ।

- ■ विलय के बाद बनने वाली कंपनी के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला होंगे
- ■ जबकि वोडाफोन की ओर से इसमें नियुक्त किया जाएगा सीएफओ
- ■ विलय से 10 अरब डालर की संभावित पूंजी एक साथ आएगी
- ■ वोडाफोन की 4.9 फीसद हिस्सेदारी के लिए धन प्रवर्तकों से आएगा
- ■ सरकार के साथ चल रहे कर विवाद से विलय पर कोई असर नहीं : कोलाओ
- ■ विलय के बाद बनने वाली कंपनी पर होगा 1070 अरब रुपए का शुद्ध कर्ज
- ■ विलय के बाद वोडाफोन और आइडिया ब्रांड दोनों ही अलग-अलग चलते रहेंगे
- ■ विलय के बाद आइडिया का आकार घटने को बिड़ला ने खारिज किया

अभी एयरटेल का जलवा

दिसम्बर 2016 की स्थिति के अनुसार 20.46 करोड़ ग्राहकों के साथ वोडाफोन की 18.16 फीसद व आइडिया की 19.05 करोड़ ग्राहकों के साथ 16.9 फीसद बाजार हिस्सेदारी है। भारती एयरटेल 26.58 करोड़ ग्राहक व 23.58 फीसद हिस्सेदारी के साथ राजस्व एवं ग्राहक आधार पर देश की सबसे बड़ी कंपनी है।

फैसले को साहसी कदम बताया

दूरसंचार कंपनियों के प्रमुख संगठन सीओएआई ने आइडिया सेल्युलर व वोडाफोन इंडिया के विलय को 'साहसी' कदम करार दिया और कहा है कि एकीकृत मजबूत इकाई सरकार व उपभोक्ता दोनों के लिए फायदेमंद होगी। संगठन ने उम्मीद जताई है कि दूरसंचार क्षेत्र के इस महत्वपूर्ण सौदे को 'त्वरित' मंजूरी मिलेगी।

कैसे होगा विलय

दोनों कंपनियों के बीच यह विलय शेयरों की अदला-बदली से होगा। इस विलय में इंडस टावर्स में वोडाफोन की 42 फीसद हिस्सेदारी को शामिल नहीं किया जाएगा। विलय प्रक्रिया पूरी होने के साथ आदित्य बिड़ला समूह को 3874 करोड़ रुपए में 4.9 फीसद इक्विटी मिलेगी। इसके बाद नई कंपनी में वोडाफोन की 45.1 फीसद आइडिया की हिस्सेदारी 26 फीसद होगी। शेष शेयर आम लोगों के पास होंगे।

कितना कारोबार

एक रिपोर्ट के मुताबिक वोडाफोन और आइडिया के विलय से बनने वाली कंपनी का कुल राजस्व 80,000 करोड़ रुपए होगा। दूरसंचार क्षेत्र के राजस्व में उसका 43 फीसद हिस्सा होगा जबकि 40 करोड़ ग्राहक संख्या के साथ 40 फीसद बाजार हिस्सेंदारी पर उसका कब्जा होगा। एकीकृत कंपनी का आवंटित स्पेक्ट्रम में 25 फीसद से अधिक हिस्सा होगा।

आइडिया का शेयर टूटा

विलय की घोषणा के बाद आंइडिया के शेयरों में दस फीसद तक की भारी गिरावट आई। इस विलय से आइडिया का शेयर 9.55 फीसद टूटकर 97.60 रुपए प्रति शेयर पर आ गया।

© Rashtriya Sahara